



राजपत्र, हिमाचल प्रदेश (असाधारण)

हिमाचल प्रदेश राज्य शासन द्वारा प्रकाशित

शिमला, कीर्तिवार, 10 अगस्त, 2000/19 भाषण, 1922

हिमाचल प्रदेश सरकार

गृह विभाग

अधिसूचना

शिमला-171 002, 15 जुलाई, 2000

संख्या एल० एल० आर०-ए०(3)-2/95.—हिमाचल प्रदेश के राज्यपाल, भारत के संविधान के अनुच्छेद 309 के परामर्श द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, हिमाचल प्रदेश लोक सेवा आयोग के परामर्श से इस विभाग की समसंख्यक अधिसूचना, तारीख 30 जनवरी, 1997 द्वारा अधिसूचित हिमाचल प्रदेश अभियोजन विभाग

अधीक्षक ग्रेड-I (बर्ग-II राजपत्रित) के पद के भर्ती एवं प्रोन्नति नियमों में संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाते हैं, अर्थात्:—

1. संक्षिप्त नाम और प्रारम्भ.—(1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम हिमाचल प्रदेश अभियोजन विभाग अधीक्षक ग्रेड-I (बर्ग-II राजपत्रित) भर्ती एवं प्रोन्नति (प्रथम संशोधन) नियम, 2000 है।

(2) ये नियम राजपत्र, हिमाचल प्रदेश में प्रकाशित किए जाने की तारीख से प्रवृत्त होंगे।

2. उपाब्ध का संशोधन.—(क) हिमाचल प्रदेश अभियोजन विभाग अधीक्षक ग्रेड-I (बर्ग-II राजपत्रित) भर्ती एवं प्रोन्नति नियम, 1997 (जिन्हें इसमें इसका पश्चात उक्त नियम कहा गया है) के उपाब्ध संख्या 4 के सामने विद्यमान प्रविष्टियों के स्थान पर निम्नलिखित प्रविष्टियाँ प्रतिस्थापित की जाएँगी, अर्थात्:—

“7229-220-8100-275-10300-340-11660 रुपये”.

(ख) संख्या 11 के सामने विद्यमान प्रविष्टियों के स्थान पर निम्नलिखित प्रतिस्थापित की जाएँगी, अर्थात्:—

अधीक्षक ग्रेड-II और निजी सहायकों में से जिनका ग्रेड में 3 वर्ष का नियमित सेवाकाल या 31-3-1998 तक की गई लगातार तदर्थ सेवा को सम्मिलित करके 3 वर्ष का संयुक्त नियमित सेवाकाल हो ऐसा न होने पर अधीक्षक ग्रेड-II/निजी सहायकों में से जिनका अधीक्षक ग्रेड-III और वरिष्ठ सहायक/निजी सहायकों और वरिष्ठ सहायक/निजी सहायक और वरिष्ठ वेतनमान आशुविपिक का संयुक्त रूप में 9 वर्ष का नियमित सेवाकाल या 31-3-1998 तक की गई लगातार तदर्थ सेवा को सम्मिलित करके 9 वर्ष का संयुक्त नियमित सेवाकाल हो प्रोन्नति द्वारा।

प्रोन्नति के प्रयोजन के लिए पात्र कर्मचारियों को उनके सेवाकाल के आधार पर उनकी कांडर अनुसार पारस्परिक वरिष्ठता को छोड़े बिना एक संयुक्त वरिष्ठता सूची विहित की जाएगी।

टिप्पण.—(1) प्रोन्नति के सभी मामलों में पद पर नियमित नियुक्ति से पूर्व सम्भरण पद में 31-3-1998 तक की गई निरन्तर तदर्थ सेवा, यदि कोई हो, प्रोन्नति के लिये इन नियमों में अर्थाविहित सेवाकाल के लिए इस शर्त के अधीन रहते हुए गणना में ली जाएगी, कि सम्भरण पद पर तदर्थ नियुक्ति/प्रोन्नति भर्ती एवं प्रोन्नति नियमों के उपबन्धों के अनुसार चयन की उचित स्वीकार्य प्रक्रिया को अपनाने के पश्चात् की गई थी परन्तु उन सभी मामलों में जिनमें कोई कनिष्ठ व्यक्ति सम्भरण पद में अपने कुल सेवाकाल (31-3-1998 तक तदर्थ आधार पर की गई तदर्थ सेवा जो नियमित सेवा/नियुक्ति के अनुसरण में हो को शामिल करके) के आधार पर उपर्युक्त निदिष्ट उपबन्धों के कारण विचार किए जाने का पात्र हो जाता है वहाँ अपने प्रवर्ग/पद/कांडर में उससे वरिष्ठ सभी व्यक्ति विचार करने के पात्र समझ जायेंगे और विचार करते समय कनिष्ठ व्यक्ति से ऊपर रखे जायेंगे:

परन्तु उन सभी पदधारियों को जिन पर प्रोन्नति के लिये विचार किया जाना है की कम से कम तीन वर्ष की न्यूनतम अर्हता सेवा या पद के भर्ती एवं प्रोन्नति नियमों में विहित सेवा जो भी कम हो, होगी:

परन्तु यह और भी कि जहाँ कोई व्यक्ति पूर्वगामी परन्तु की अपेक्षाओं के कारण प्रोन्नति किए जाने सम्बन्धी विचार के लिये अपात्र हो जाता है, वहाँ उससे कनिष्ठ व्यक्ति भी ऐसी प्रोन्नति के विचार के लिये अपात्र समझा जाएगा।

स्पष्टीकरण.—अन्तिम परन्तु के अन्तर्गत कनिष्ठ पदधारी प्रोन्नति के लिये अपात्र नहीं समझा जायेगा यदि वरिष्ठ अपात्र व्यक्ति भूतपूर्व सैनिक है, जिसे डिमोबिलाईज्ड आर्मड फोर्सिस परसोनल (रिजर्वेशन आफ वकैन्सीज इन हिमाचल स्टेट नान टेक्नीकल सर्विसिज) रूलज, 1972 के नियम 3 के प्रावधानों के अन्तर्गत भर्ती किया गया हो तथा इसके अन्तर्गत वरीयता लाभ दिए गए हों या जिसे एक्स सर्विसमें (रिजर्वेशन आफ वकैन्सीज इन दो हिमाचल प्रदेश टेक्नीकल सर्विसिज) रूलज, 1985 के नियम 3 के प्रावधानों के अन्तर्गत भर्ती किया गया हो व इसके अन्तर्गत वरीयता लाभ दिए गये हों।

- (2) इसी प्रकार स्थायीकरण के सभी मामलों में ऐवेपद पर नियमित नियुक्ति से पूर्व 31-3-1998 तक की गई लगातार तदर्थ सेवा यदि कोई हो, सेवाकाल के लिए गणना की जाएगी। यदि नियुक्ति/प्रोन्नति उचित बचन के पश्चात् भर्ती एवं प्रोन्नति नियमों के उपाबन्धों के अनुसार की गई हो :

परन्तु 31-3-1998 तक उपर्युक्त निर्दिष्ट की गई तदर्थ सेवा को गणना में लेने के पश्चात् जो स्थायीकरण होगा उसके फलस्वरूप धारस्परिक वरीयता अपरिवर्तित रहेगी।

आदेश द्वारा,

यजब प्रसाद,

विलायतुन्त एवं सचिव।

[Authoritative English Text of this Department Notification No. LLR-A(3)-2/95, dated 15-7-2000 as required under clause (3) of Article 348 of the Constitution of India].

HOME DEPARTMENT

NOTIFICATION

Shimla-2, the 15th July, 2000

No. LLR-A(3)-2/95.—In exercise of the powers conferred by proviso to Article 309 of the Constitution of India, the Governor, Himachal Pradesh in consultation with Himachal Pradesh Public Service Commission, is pleased to make the following rules to amend the Department, Prosecution Himachal Pradesh, Superintendent Grade-I (Class-II, Gazetted) Recruitment and Promotion Rules, 1997, notified vide this department notification of even number dated 30-1-1997, namely:—

1. Short title and commencement.—(1) These rules may be called the Department of Prosecution, Himachal Pradesh, Superintendent Grade-I (Class-II, Gazetted), Recruitment and Promotion (1st Amendment) Rule, 2000.

(2) These rules shall come into force from the date of publication in the Rajpatra, Himachal Pradesh.

2. Amendment of Annexure.—(a) For the existing entries against Column No. 4, in Annexure of the Himachal Pradesh, Prosecution Department, Superintendent Grade-I (Class-II Gazetted) Recruitment and Promotion Rules, 1997 (hereinafter called the said rules), the following entries shall be substituted, namely:—

“Rs. 7220-220-8100-275-10300-340-11660.”

- (b) For the existing entry against Column II, the following shall be substituted, namely:—

By promotion from amongst the Superintendent Grade-II and Personal Assistant who possess 3 years regular service or regular combined with continuous *ad hoc* (rendered upto 31-3-1998) service, in the grade, failing which by promotion from amongst the Superintendent Grade-II Personal Assistant, who possess 9 years regular service or regular combined with continuous *ad hoc* (rendered upto 31-3-1998) service as Superintendent Grade-II and Senior Assistant/Personal Assistant and Senior Scale Stenographer combined.

For this purpose of promotion a combined seniority list of eligible officials on the basis of length of service without disturbing their cadre wise *inter-se* seniority shall be prescribed.

Note.—(1) In all cases of promotion, the continuous *ad hoc* service rendered in the feeder post upto 31-3-1998, if any, prior to the regular appointment to the post shall be taken into account towards the length of service as prescribed in these rules for promotion subject to the condition that the *ad hoc* appointment/promotion in the feeder category had been made after following proper acceptable process of selection in accordance with the provisions of Recruitment and Promotion Rules, provided that:—

In all cases where a junior person becomes eligible for consideration by virtue of his total length of service (including the service rendered on *ad hoc* basis upto 31-3-1998, followed by regular service/appointment) in the feeder post in view of the provisions referred to above, all persons senior to him in the respective category/post/cadre shall be deemed to be eligible for consideration and placed above the junior person in the field of consideration;

Provided that all incumbents to be considered for promotion shall possess the minimum qualifying service of atleast three years or that prescribed in the Recruitment and Promotion Rules for the post, whichever is less;

Provided further that where a person becomes ineligible to be considered for promotion on account of the requirements of the preceding proviso, the person(s) junior to him shall also deemed to be ineligible for consideration for such promotion.

Explanation.—The last proviso shall not render the junior incumbents ineligible for consideration for promotion if the senior ineligible person(s) happened to be ex-servicemen recruited under the provisions of Rule 3 of the Demobilised Armed Forces Personnel (Reservation of Vacancies in Himachal State Non-Technical Services) Rules, 1972 and having been given the benefit of the seniority thereunder or recruited under the provisions of Rule 3 of Ex-servicemen (Reservation of Vacancies in the Himachal Pradesh Technical Services) Rules, 1985 and having been given the benefit of seniority thereunder.

(2) Similarly, in all cases of confirmation continuous *ad hoc* service rendered on the feeder post upto 31-3-98, if any, prior to the regular appointment against such post shall be taken into account towards the length of service if the *ad hoc* appointment/promotion had been made after proper selection and in accordance with the provisions of the R&P Rules:

Provided that *inter-se* seniority as a result of confirmation after taking into account, *ad hoc* service rendered upto 31-3-1998, as referred to above shall remain unchanged.

By order,

AJAY PRASAD,

Financial Commissioner-cum-Secretary.